दैनिक जागरण, भोपाल 14 MAR 2012

एक साहसिक निर्णय

प्रसंगवश

मृगेन्द्र सिंह

युवा आईपीएस अधिकारी नरेन्द्र कुमार की शहादत के मामले की सीबीआई से जांच कराने की घोषणा कर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने साहस भरा निर्णय लिया है। इससे मुख्यमंत्री पर अंगुली उठाने वाले विपक्ष और अन्य लोगों के मुंह बंद हो गए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद नरेन्द्र कुमार की पत्नी आईएएस अधिकारी श्रीमती मधुरानी की मांग पर सीबीआई जांच का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मधुरानी ने बातचीत में न्यायिक जांच की घोषणा की तारीफ की, साथ ही यह भी कहा कि मामले की यदि सीबीआई से जांच हो जाए तो और अच्छा रहेगा। ■ शेष पृष्ठ 9 पर

एक साहसिक निर्णय...

मुख्यमंत्री द्वारा सीबीआई जांच की घोषणा के भले ही अलग-अलग अर्थ निकाले जा रहे हों कि कांग्रेस व आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के दबाव में सीबीआई जांच की घोषणा की, लेकिन मुख्यमंत्री के इरादे साफ हैं। इसके पूर्व शैहला मसूद हत्याकांड की सीबीआई जांच की घोषणा कर शिवराज ने सबको चौंका दिया था। सात माह के अंदर दूसरे बड़े मामले की सीबीआई से जांच की घोषणा मुख्यमंत्री की निष्पक्षता का प्रमाण है। उन्होंने रिजल्ट की प्रतीक्षा किए बिना निर्भय होकर निर्णय लिए। शहीद नरेन्द्र कुमार की हत्या के मामले की विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से चर्चा कराने की सहमति देकर मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया कि वे कुछ भी छिपाना नहीं चाहते। शायद विधानसभा के इतिहास में पहली बार प्रश्नोत्तर काल निरस्त कर स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा कराने की अनुमति दी गई। यह बात अलग है कि विपक्ष ने चर्चा में भाग नहीं लिया।

क्या हत्याकांड तक सीमित रहेगी जांच : आईपीएस अधिकारी नरेन्द्र कुमार की हत्या के मामले की सीबीआई जांच क्या केवल हत्याकांड तक सीमित रहेगी, या जांच आगे तक जाएगी। राज्य सरकार ने तो केवल एक लाइन का पत्र सीबीआई को भेजा है। लेकिन जांच के बिन्दु क्या होंगे, यह तय नहीं है। सीबीआई यदि मामले को लेती है तो तार से तार जुड़ते हुए जांच काफी आगे तक जा सकती है। यदि हत्याकांड में खनिज माफिया का हाथ निकलता है, तो सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती है।